आदरणीय प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, अतिथिगण एवं प्रिय साथी विद्यार्थियों,

शुभ प्रभात,

जैसा कि आप जानते हैं कि आज हम सभी अपने देश का 73वां गणतंत्र दिवस मनाने के लिए यहां हैं। हर साल हम 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाते हैं क्योंकि 1950 में इसी दिन भारत का संविधान लागू हुआ था।

यह दिन हमें हमारे स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाता है और कैसे हमारे देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें – पूर्ण स्वराज दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

यह उनके संघर्ष के कारण है कि आज हम एक लोकतांत्रिक देश में रह रहे हैं जहां प्रत्येक नागरिक को अधिकार है –

(i) समानता का अधिकार,

(ii) स्वतंत्रता का अधिकार,

(iii) शोषण के खिलाफ अधिकार,

(iv) धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार ,

(v) सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार, और

(vi) संवैधानिक उपचार का अधिकार।

आज का दिन हमारे सभी नागरिकों के बीच विविधता, बंधुत्व और समानता में एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का दिन है।

मैं उन महान नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों के लिए अपना भाषण समाप्त करना चाहता हूं जिन्होंने अपने जीवन का बलिदान दिया ताकि हम एक लोकतांत्रिक राष्ट्र में रह सकें। मुझे आप सभी के सामने बोलने का अवसर देने के लिए फिर से धन्यवाद।

जय हिंद